हम बने ,तुम बने, एक दूजे के लिये . . .

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

यूँ तो हिंदी फिल्मों में संगीतकारों की कई महान जोड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है, परंतु एल.पी. अर्थात 'लक्ष्मीकांत शांताराम कुडालकर' और 'प्यारेलाल रामप्रसाद शर्मा' की जोड़ी भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास की सबसे सफल और प्रतिभाशाली संगीतकार जोड़ियों में गिनी जाती है. इस जोड़ी ने चार दशक तक हिंदी फ़िल्मी संगीत की दुनिया पर एक छत्र राज किया, उन्होंने सैकड़ों फिल्मों में यादगार संगीत दिया और अपने संगीत में उन्होंने शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत तथा पाश्चात्य संगीत का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया. उनका संगीत न केवल व्यावसायिक रूप से सफल रहा, बल्कि उसे आलोचकों द्वारा शास्त्रीय दृष्टि से भी समृद्ध माना गया. सत्तर-अस्सी के दशक में, 'एल.पी.' का मतलब केवल 'लॉन्ग प्ले रिकॉर्ड' नहीं, बल्कि 'लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल' भी होता था.

लक्ष्मीकांत और प्यारेलाल दोनों ही साधारण पृष्ठभूमि से आए थे. लक्ष्मीकांत मैंडोलिन बजाने में निपुण थे.लक्ष्मीकांत ने 'भक्त पुंडलिक' (1949) और 'आंखें' (1950) जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में भी काम किया. प्यारेलाल के पिता पंडित रामप्रसाद शर्मा एक संगीतज्ञ थे, जिन्होंने प्यारेलाल को वायलिन की शिक्षा दी. इस प्रकार, कम उम्र में ही वे एक कुशल वायलिन वादक बन गए थे, आगे जाकर हेमंत कुमार के संगीत-निर्देशन में बनी फ़िल्म नागिन के गीत 'जादूगर सैयां छोड़ो मोरी बैयां' एवं सचिन देव बर्मन की 'लाजवंती' के 'कोई आया धड़कन कहती है' में लक्ष्मीकान्त ने मैन्डोलिन बजाया. इसी तरह प्यारेलाल ने मदन मोहन की संगीतबद्ध फ़िल्म 'हकीकत' के गीत 'मैं ये सोचकर उसके दर से उठा था' में वॉयलिन बजायी थी. कहा जाता है कि प्यारेलाल से अच्छा म्यूज़िक अरेंजर फ़िल्म इंडस्ट्री में आज तक हुआ ही नहीं . दोनों की पहली मुलाक़ात लता मंगेशकर की बच्चों की संगीत अकादमी सुरीला कला केंद्र में हुई. यहीं से उनकी दोस्ती की नींव पड़ी जो आगे चलकर हिंदी फिल्म संगीत की सबसे कामयाब साझेदारी में बदल गई.इन्होंने 635 फिल्मों के लगभग 3000 गीतों को मधुर, भावपूर्ण और लोकप्रिय धुनों से समृद्ध किया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है.

1963 में आई बाबूभाई मिस्त्री की फ़िल्म 'पारसमणि' से लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल को पहला बड़ा अवसर मिला. इस फ़िल्म के गीतों ने उन्हें तुरंत पहचान दिलाई 'हँसता हुआ नूरानी चेहरा', 'मेरे दिल में हल्की सी', 'वो जब याद आये बहुत याद आये' जैसे लोकप्रिय गीत इस फ़िल्म के यादगार गीत हैं . इसके बाद आई राजश्री प्रोडक्शनन की फ़िल्म 'दोस्ती' के गीतों ने तो धूम मचा दी. 'चाहूंगा मैं तुझे सांझ सवेरे', 'राही मनवा दुख की चिंता', 'मेरा तो जो भी कदम है वो तेरी राह में है ', 'क़ोई जब राह न पाए', जैसे गीत आज भी अमर हैं. इस फिल्म ने

उन्हें स्टार संगीतकार बना दिया, इसके लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला. फिर तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक के बाद एक सफल फ़िल्मों में यादगार संगीत दिया. 1967 के वर्ष में उन्होंने 'मिलन', 'शागिर्द', 'पत्थर के सनम' जैसी 10 से अधिक म्यूजिकल हिट फिल्में दीं, जो एक बड़ी उपलब्धि थी.

1960 से 1990 तक का काल इस जोड़ी का स्वर्णिम काल था. इस दौर में लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल का संगीत अनेक फ़िल्मों की कामयाबी की वजह बना, इस समय के लगभग सभी शीर्ष फिल्म निर्माताओं के लिए उन्होंने काम किया जिसमें राज कपूर, राज खोसला, मनमोहन देसाई, यशचोपड़ा, सुभाष घई , मनोज कुमार और जेपी दत्ता प्रमुख थे. लक्ष्मीकांत और प्यारेलाल का प्रमुख योगदान ये रहा कि हिंसा और मार धाड़ की फिल्मों लम्बे दौर में भी उन्होंने अपने संगीत में मेलोडी बनाये रखी. उनकी सुपर हिट फिल्मों की फेहरिस्त असाधारण रूप से बहुत लम्बी है, इनमें से कुछ प्रमुख फ़िल्में हैं, पारसमणि, दोस्ती, मिलन, दो रास्ते, शोर,जीने की राह, बॉबी, प्रेमरोग,रोटी कपड़ा और मकान, सत्यम शिवम सुंदरम, आए दिन बहार के, अनीता, पत्थर के सनम, इज्जत, मेरे हमदम मेरे दोस्त, राजा और रंक, आया सावन झूम के, इंतकाम, आन मिलो सजना, खिलौना, लोफर, जीवन-मृत्यु, हमजोली, मेरा गांव मेरा देश, हाथी मेरे साथी, महबूब की मेंहदी, दुश्मन, आप आए बहार आई, दाग़, चरस,अमर अकबर एंथोनी, मैं तुलसी तेरे आंगन की,आशा, कर्ज, दोस्ताना, अनुरोध, एक दूजे के लिए, क्रांति, कर्मा, खलनायक, राम लखन, प्यार झुकता नहीं, मिस्टर इंडिया, सरगम, नसीब, हीरो, अर्पण, उत्सव, सुर संगम, ग़ुलामी, नगीना, नाम,तेजाब, बंटवारा,खुदा गवाह, सौदागर, हम, आदि . दिल को छूने वाली सरल मधुर धुनें जो तुरंत जुबान पर चढ़ जाएँ एवं शास्त्रीय और लोक संगीत का संतुलित प्रयोग उनके संगीत की प्रमुख विशेषताएँ हैं . उन्होंने कई गीतों में भारतीय रागों का सुंदर प्रयोग किया है, उनकी धुनों में सरलता, भावनाओं की गहराई, तकनीकी दक्षता और लोकप्रियता का अद्भुत संगम मिलता है. उन्होंने संगीत के सुनहरे काल में लता मंगेशकर,मोहम्मद रफ़ी, किशोर कुमार, मुकेश, आशा भोसले जैसे महान गायकों से अनगिनत यादगार गीत गवाए और बाद के दिनों में उन्होंने अपने तकनीकी कौशल से ही मोहम्मद अज़ीज़, सुरेश वाडेकर, अनुराधा पौड़वाल, कविता कृष्णमूर्ति, विनोद राठौर आदि से भी कुछ अच्छे गीत गवाए. इसी प्रकार उन्होंने प्रसिद्ध गीतकार असद भोपाली, मजरूह सुल्तानपुरी,आनंद बक्षी, संतोष आनंद, गुलज़ार आदि के साथ मिलकर कई यादगार गीत दिए, विशेषकर आनंद बक्षी के साथ उन्होंने 1600 से अधिक सुपर हिट गीत दिए .

लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के अन्य अविस्मरणीय गीतों में 'तुम गगन के चन्द्रमा हो, (सती सावित्री), 'सावन का महीना पवन करे सोर' (मिलन), 'बदरा छाए कि झूले पड़ गए हाए' (आया सावन झूम के), 'ढल गया दिन हो गयी शाम' (हमजोली), 'जे हम तुम चोरी से बंधे इक डोरी से' (धरती कहे पुकार के), 'झिलमिल सितारों का आंगन होगा' (जीवन-मृत्यु),' अच्छा तो हम चलते हैं' (आन मिलो सजना), 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं' (इज्जत), 'मुझे तेरी मुहब्बत का सहारा मिल गया होता' (आप आये बहार आई), 'महबूब मेरे, महबूब मेरे तू है तो दुनिया कितनी हसीं है' (पत्थर के सनम), 'क्या कहता है सावन' (मेरा गांव मेरा देश), इक प्यार का नग़मा है' (शोर), 'मैं न भूलूंगा' (रोटी कपड़ा और मकान), 'हम तुम एक कमरे में बंद हों'(बॉबी), 'कल की हसीं मुलाकात के लिए'(चरस), 'अब चाहे मां रूठे या बाबा' (दाग़), 'ढफली वाले ढफली बजा' (सरगम), 'ये गलियां ये चौबारा', 'मुहब्बत है क्या चीज' (प्रेम रोग), 'हम बने तुम बने एक दूजे के लिए' (एक दूजे के लिए), 'एक दो तीन' (तेज़ाब) 'लम्बी जुदाई', 'प्यार करने वाले कभी डरते नहीं' (हीरो), 'मन क्यों बहका (उत्सव), 'दिल करता है ईलू-ईलू' (सौदागर) जैसे मधुर सुरीले गीत शामिल हैं. इस जोड़ी को अनेकों पुरस्कार मिले, जिनमें सात बार फ़िल्मफ़ेयर अवार्ड शामिल हैं. 1998 में लक्ष्मीकांत के निधन के बाद यह ऐतिहासिक जोड़ी समाप्त हो गई .

लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ऐसी जोड़ी है जिसने हमेशा आम श्रोता से लेकर संगीत के जानकारों तक सभी को मंत्रमुग्ध किया. उनकी धुनें फिल्म संगीत की अमूल्य धरोहर हैं, वो केवल संगीतकार नहीं थे, बल्कि फिल्म संगीत का एक पूरा युग थे. भारतीय सिनेमा के इतिहास में उनका नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाएगा. आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मिलेंगे , तब तक लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के सुरीले गीतों का आनंद लीजिये .

सरप्राइज पैकेज बन सकती हैं यामी गौतम

फिल्म 'धुरंधर 2' इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही दर्शकों के बीच इसका क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है. अब इस फिल्म से जुड़ी एक नई अपडेट सामने आई है, जिसने फैंस की दिलचस्पी और बढ़ा दी है. ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम फिल्म में एक खास कैमियो रोल में नजर आ सकती हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यामी गौतम की एंट्री फिल्म के एक बेहद अहम सीन में होगी. उनका यह कैमियो केवल सरप्राइज एंट्री ही नहीं होगा, बल्कि कहानी में बड़ा मोड़ भी ला सकता है. कहा जा रहा है कि उनका किरदार फिल्म के नैरेटिव को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. हालांकि अभी तक फिल्म के मेकर्स की तरफ से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है.

इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर ने किया है, जो इससे पहले 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी सुपरहिट फिल्म बना चुके हैं. 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह 'हमजा अली' के किरदार में नजर आएंगे. फिल्म की कहानी में उनके किरदार का सफर और सत्ता पर कब्जे की जंग को दिखाया जाएगा.

फिल्म की रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर इसका असर दिखाई देने लगा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धुरंधर 2' की एडवांस बुकिंग शानदार चल रही है और रिलीज से पहले ही लगभग 19.54 करोड़ रुपये के टिकट बुक हो चुके हैं. इससे साफ है कि दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर काफी उत्साह है.

इसके अलावा फिल्म में कुछ और सरप्राइज कैमियो को लेकर भी चर्चा चल रही है. पहले खबरें आई थीं कि अभिनेता विक्की कौशल भी फिल्म में दिखाई दे सकते हैं और इसका कनेक्शन 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' से जुड़ सकता है.

किसी की मदद करना सौभाग्य है : अक्षय कुमार

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार का कहना है कि जब आप किसी की मदद करते हैं, तो यह आपका सौभाग्य होता है कि आप ऐसा कर पाये. टीवी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया पर एक भावुक पल देखने को मिला, जब वरिष्ठ पत्रकार सोनल कलरा ने अभिनेता अक्षय कुमार से जुड़ी एक खास कहानी साझा की. इस किस्से ने अक्षय कुमार के उस पहलू को सामने लाया, जिसके बारे में वह अक्सर बात करना पसंद नहीं करते.

सोनल कलरा ने बताया कि वह अक्षय कुमार को करीब 20 साल से जानती हैं और उन्होंने उनके व्यक्तित्व का एक अलग ही पक्ष देखा है. उन्होंने लॉकडाउन के दौरान की एक घटना याद करते हुए कहा कि उस समय देश में कोरोना महामारी के कारण लोग पहले ही परेशान थे, वहीं बिहार और असम में भयंकर बाढ़ की स्थिति भी थी.उन्होंने बताया, 'मैंने अक्षय को बताया कि लोग लॉकडाउन से चिंतित हैं और उसी समय बिहार और असम में बाढ़ ने हालात और कठिन बना दिए हैं. अचानक अक्षय ने मुझसे कहा, 'क्या आप मुख्यमंत्री कार्यालय का नंबर ढूंढ सकती हैं ?''

सोनल कलरा ने अपने सूत्रों से नंबर का इंतजाम किया और अक्षय कुमार को दे दिया. कुछ ही घंटों बाद उन्हें एक राजनीतिक पत्रकार का फोन आया, जिसमें पूछा गया कि क्या यह सच है कि अक्षय कुमार ने बिहार और असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में एक - एक करोड़ रुपये दिए हैं.जब उन्होंने इस बारे में अक्षय कुमार से पूछा, तो अभिनेता ने इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया. उन्होंने कहा, 'मैंने पैसे दिए हैं, लेकिन इसे दान मत कहिए.

मंच पर इस बारे में बात करते हुए अक्षय कुमार ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता है कि 'चैरिटी' या 'डोनेशन' शब्द सबसे खराब शब्द हैं. जब आप किसी की मदद करते हैं, तो यह आपका सौभाग्य होता है कि आप ऐसा कर पाए. 'उन्होंने कहा, 'भगवान ने आपको किसी की सेवा करने लायक बनाया है. इसलिए इसे दान नहीं, बल्कि सेवा कहना चाहिए.'

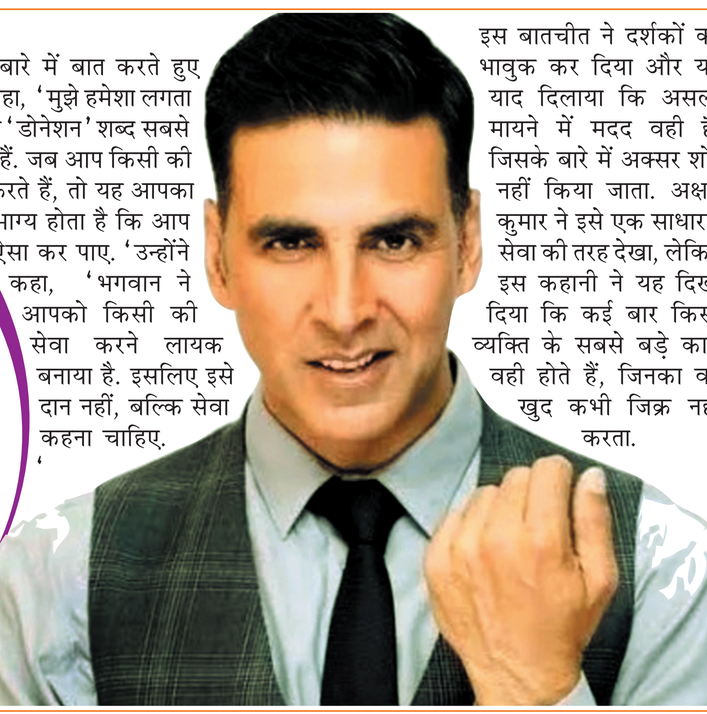

इस बातचीत ने दर्शकों को भावुक कर दिया और यह याद दिलाया कि असली मायने में मदद वही है, जिसके बारे में अक्सर शोर नहीं किया जाता. अक्षय कुमार ने इसे एक साधारण सेवा की तरह देखा, लेकिन इस कहानी ने यह दिखा दिया कि कई बार किसी व्यक्ति के सबसे बड़े काम वही होते हैं, जिनका वह खुद कभी जिक्र नहीं करता.

फिल्म 'माइकल' के रिलीज से पहले दिखाये जायेंगे विशेष शो

लायंसगेट ने घोषणा की है कि माइकल जैक्सन के जीवन पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइकल' के कुछ विशेष शो इसकी आधिकारिक रिलीज से पहले दिखाये जाएंगे. इससे प्रशंसकों को दिग्गज कलाकार के जीवन पर बनी इस फिल्म को सबसे पहले देखने का मौका मिलेगा.

स्टूडियो ने पुष्टि की है कि शुक्रवार, 24 अप्रैल को फिल्म की आधिकारिक रिलीज से दो दिन पहले 22 अप्रैल को केवल एक रात के लिए इसके विशेष शो बड़े पर्दे पर दिखाये जाएंगे. इन विशेष शो के लिए टिकटों की बिक्री बुधवार, 11 मार्च से शुरू हो जाएगी.

एंटोनी फूक्वा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वैश्विक पॉप आइकन माइकल जैक्सन के भतीजे जाफर जैक्सन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं. इस फिल्म के जरिये जाफर जैक्सन अभिनय की दुनिया में बड़ा कदम रख रहे हैं, जहां वह उस महान कलाकार की भूमिका निभायेंगे जिसके संगीत और अंदाज ने आधुनिक पॉप संस्कृति को नया रूप दिया.

'माइकल' इस महान गायक के मशहूर गानों से कहीं आगे बढ़कर उनके जीवन की कहानी पेश करती है. यह फिल्म 'द जैक्सन 5' के मुख्य गायक के रूप में उनकी प्रतिभा की खोज से लेकर दुनिया का सबसे बड़ा कलाकार बनने की उनकी जिद और सफर को दिखाती है. फिल्म की कहानी माइकल जैक्सन के मंच से दूर के निजी जीवन और उनके शुरुआती करियर के कुछ सबसे यादगार पलों को उजागर करेगी. फिल्म निर्माताओं का कहना है कि यह दर्शकों को संगीत जगत की सबसे प्रभावशाली हस्ती के उदय को करीब से देखने का अनुभव देगी.

कैनकिड्स और सलाम बॉम्बे के बच्चों को मिला खास फैन मोमेंट

अपनी फैन फर्स्ट सोच को मंच से आगे बढ़ाते हुए सीधे दर्शकों के दिलों तक पहुंचाने के मकसद से मारुति सुजुकी प्रेजेंट्स 24वें जी सिने अवॉर्ड्स 2026 ने इस साल एक खास पहल की . कैनकिड्स और सलाम बॉम्बे नाम की संस्थाओं के साथ मिलकर पहली बार ऐसा मौका दिया गया, जिसमें इन संगठनों से जुड़े बच्चों को मुंबई के एनएससीआई डोम में हुए इस भव्य समारोह का हिस्सा बनने का अवसर मिला . सिनेमा फैंस का है . इसी सोच के साथ इन बच्चों को भी वो अनुभव मिला जो अब तक सिर्फ सितारों के लिए माना जाता था, यानी उनका अपना पर्पल कारपेट मोमेंट . कैनकिड्स एक राष्ट्रीय संस्था है, जो कैंसर से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों की मदद करती है . यह संस्था इलाज में सहायता, भावनात्मक सहारा और पूरी प्रक्रिया के दौरान जरूरी सहयोग देती है . वहीं सलाम बॉम्बे कमज़ोर और बेसहारा समुदायों के बच्चों के साथ काम करती है और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और जीवन से जुड़ी जरूरी सीख के जरिए सशक्त बनाती है . इस पहल के जरिए जी सिने अवॉर्ड्स ने उन बच्चों को सिनेमा की दुनिया के करीब आने का मौका दिया, जिन्होंने अपनी जिंदगी में पहले ही बहुत हिम्मत और साहस दिखाया है . जी सिने अवॉर्ड्स के इतिहास में पहली बार मंच की रोशनी इन खास मेहमानों तक भी पहुंची . ये बच्चे पर्पल कारपेट पर चले, भारतीय सिनेमा की इस भव्य शाम की ऊर्जा को महसूस किया और अवॉर्ड्स का जादू करीब से देखा . ये सिर्फ एक मौजूदगी नहीं थी, बल्कि हिम्मत, उम्मीद और अपनेपन का जश्न था, जो फैनटरटेनमेंट के असली जज्बात को दर्शाता है .

'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी' में वैष्णवी की एंट्री

टीवी कलाकार श्रेया जैन का कहना है कि 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' में वैष्णवी का किरदार निभा रही हूँ. वैष्णवी की सोच थोड़ी मॉडर्न है, जो अब तक शो में दिखाई गई परंपरागत सोच से अलग है. उसका मानना है कि प्यार और रिश्तों में बराबरी होनी चाहिए. अगर एक पार्टनर को दूसरे के बारे में सब पता है, तो दूसरे को भी पहले के बारे में सब जानने का हक होना चाहिए. उसके लिए हर जगह इक्वालिटी ज़रूरी है और प्यार दोनों तरफ से बराबर होना चाहिए. जब मुझे ये प्रोजेक्ट ऑफर हुआ, तो सबसे पहला प्लस पॉइंट ये था कि मैं खुद जयपुर से हूँ और शो भी राजस्थान बेस्ड है.

इसके अलावा मुझे मेरा किरदार भी बहुत पसंद आया क्योंकि वैष्णवी की सोच मेरी सोच से काफी मिलती-जुलती है. कैरेक्टर और स्टोरी दोनों ही मुझे

बहुत अच्छे लगे, इसलिए मैंने सोचा कि इस शो का हिस्सा बनना चाहिए.

देसी लुक्स से दर्शकों को कर रहीं आकर्षित प्रियंवदा कांत

एण्डटीवी के सुपरनैचुरल हॉरर-कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री प्रियंवदा कांत इन दिनों अपने आकर्षक देसी अंदाज़ से दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं . शो की मौजूदा कहानी जैसे-जैसे और रोमांचक होती जा रही है, वैसे-वैसे लतिका अलग-अलग ग्लैमरस पारंपरिक लुक्स में नजर आ रही हैं, जो उनके किरदार की रहस्यमयी और शालीन छवि को खूबसूरती से उभारते हैं अपने

ऑन-स्क्रीन स्टाइल के बारे में बताते हुए प्रियंवदा कांत ऊर्फ लतिका कहती हैं, मौजूदा ट्रैक में मेरा किरदार कई खूबसूरत देसी परिधानों में नजर आ रहा है, खासकर रंग-बिरंगे घाघरा चोली में, जो लतिका के ग्लैमरस अंदाज को और निखारते हैं . हर कॉस्ट्यूम बहुत सोच-समझकर तैयार किया गया है, जिनमें गहरे रंग, बारीक कढ़ाई और लहराते हुए सिल्हूट हैं, जो स्क्रीन पर बेहद शानदार दिखते हैं और दृश्यों में अलग तरह का विजुअल ड्रामा जोड़ते हैं . घाघरे अक्सर लेयर्ड और घेरदार होते हैं, जिससे जब मैं चलती या किसी सीन में मूव करती हूं तो उनका प्रभाव और भी आकर्षक लगता है . वह आगे कहती हैं . 'शो की शुरुआत से ही लतिका ज्यादातर एक ही लाल दुल्हन वाले परिधान में नजर आती थी, जो एक भूतनी दुल्हन के रूप में उसके किरदार की पहचान बन गया था . वह लुक अपने आप में बहुत खास है, लेकिन लंबे समय तक वही लाल ड्रेस पहनने के बाद अब अलग-अलग कॉस्ट्यूम्स के साथ प्रयोग करना ताज़गी भरा और रोमांचक लग रहा है . चूंकि लतिका एक भूत है, लेकिन साथ ही बहुत अभिव्यक्तिपूर्ण और स्टाइलिश किरदार भी है, इसलिए उसके कॉस्ट्यूम्स उसके व्यक्तित्व में खूबसूरती, शालीनता और रहस्य का अनोखा मेल बनाते हैं .

धुरंधर : द रिवेंज का टाइटल ट्रैक 'आरी आरी' रिलीज

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का टाइटल ट्रैक 'आरी आरी' रिलीज़ हो गया है.

हाल ही में रिलीज़ हुआ धुरंधर: द रिवेंज का ट्रेलर लगातार ऊँचाइयाँ छू रहा है और 45 से अधिक देशों में यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है.जब से ट्रेलर रिलीज़ हुआ है, तब से फैंस 'आरी आरी' गाने को, जो बैकग्राउंड म्यूज़िक के रूप में इस्तेमाल हुआ था, गुनगुना रहे हैं और गाने के रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे.यह हाई-एनर्जी गाना अब टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है. जोशीले बीट्स, दमदार वोकल्स और धमाकेदार रैप सेक्शन्स से भरपूर यह गाना फिल्म की तीव्र दुनिया का माहौल तय करता है, साथ ही एक ऐसा म्यूज़िकल अनुभव देता है जो पहले से ही अगले बड़े वायरल एंथम के रूप में उभरता दिख रहा है.

शाश्वत सचदेव के संगीत से सजा यह ट्रैक, जिसे शाश्वत सचदेव ने ही कंपोज़, अरेंज और प्रोग्राम किया है, समकालीन प्रोडक्शन को पंजाबी प्रभावों के साथ मिलाकर एक ऐसा साउंड तैयार करता है जो श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर देता है. इस गाने में नवतेज सिंह रेहल (बॉम्बे रॉकर्स), खान साब, जैस्मिन सैंडलास और सुधीर यादववंशी की आवाज़ें हैं, जबकि रैप के हिस्से रेबल और टोकन ने लिखे और परफॉर्म किए हैं. गीत के बोल प्रसिद्ध इरशाद कामिल और बॉम्बे रॉकर्स ने लिखे हैं, और स्कोर का प्रोडक्शन एडम लुकास ने किया है.

फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' का टीज़र रिलीज हो गया है. फिल्म 'भूत बंगला' के साथ बॉलीवुड की सुपरहिट डायरेक्टर-एक्टर जोड़ी, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार, पूरे 14 साल के लंबे गैप के बाद वापस आ रही है. सालों से इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को ऐसी यादगार और बेहतरीन कॉमेडी फिल्में दी हैं, जिन्हें लोग आज भी बड़े चाव से देखते हैं. इसी विरासत की वजह से, यह फिल्म 2026 की सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है.

बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा पेश की गई 'भूत बंगला' ने उन फैंस के बीच पहले ही यादों का सैलाब ला दिया है, जो इस जोड़ी की कल्ट फिल्में देखकर बड़े हुए हैं. यह फिल्म बॉलीवुड के उस सुनहरे कॉमेडी दौर के जादू को फिर से जगाने का वादा करती है, जिसमें आज के दर्शकों के लिए एक नया और मॉडर्न ट्विस्ट भी होगा.

फिल्म के डरावने पोस्टर ने फैंस को पहले ही एक्साइटेड कर दिया था, और अब मेकर्स ने 'भूत बंगला' का बहुप्रतीक्षित टीज़र भी रिलीज़ कर दिया है. इसके साथ ही एक कास्ट पोस्टर भी सामने आया है जो इसकी डरावनी पर मज़ेदार दुनिया की पहली झलक दिखाता है. कॉमेडी, हंसी और जबरदस्त पंचलाइन्स से भरपूर यह टीज़र फिल्म की अनोखी हॉरर-कॉमेडी दुनिया का माहौल सेट कर देता है.